

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण

प्रलिस के लयः

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI).

मेन्स के लयः

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI), वृद्धा एवं वकलस

चरचा में क्यौं?

हाल ही में सांख्यकी और कार्यक्रम कार्यानवयन मंत्रालय द्वारा वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) के अनंतम परणाम जारी कयः गए ।

- यह सर्वेक्षण ASI वेब पोर्टल के माध्यम से अप्रैल 2021 से जनवरी 2022 के दौरान आयोजतः कयः गया था ।

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षणः

- ASI, भारत में औद्योगिक आँकड़ों का प्रमुख स्रोत, संगठित वनरिमाण पर सबसे व्यापक डेटा है ।
- इसमें बजली का उपयोग करके 10 या अधिक श्रमकों को नयोजतः करने वाले सभी कारखानों और बजली का उपयोग कयः बना 20 या अधिक श्रमकों को नयोजतः करने वाले सभी कारखाने शामिल हैं ।

सर्वेक्षण की वशैषताएँ:

- कारखानों में वृद्धाः
 - 2019-20 में देश में कारखानों की संख्या **1.7% बढ़कर 2.46 लाख** हो गई, जसमें कुल 1.3 करोड़ कर्मचारी कार्यरत थे ।
- सकल स्थायी पूंजी नरिमाणः
 - सकल स्थायी पूंजी नरिमाण, नवश का एक संकेतक है, जो 2019-20 में संगठित वनरिमाण क्षेत्र में 20.5 प्रतिशत बढ़कर 4.15 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकः पिछले वतः वर्ष में यह 10.2 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपए था ।
 - इसकी तुलना 2018-19 में कारखानों की संख्या में 1.98% की वृद्धा के साथ 2.42 लाख और 2017-18 के **वमिदरीकरण** के बाद के वर्ष में 1.2% की वृद्धा के साथ की जाती है ।
 - ये संख्याएँ महत्वपूर्ण हैं क्यौंके ये **कोवडि-19 महामारी** की शुरुआत से पहले वर्ष 2019-20 के सामान्य वर्ष के परणाम हैं, जसने रोजगार वृद्धा को प्रभावतः कयः ।
 - अचल पूंजी, लेखा वर्ष के समापन दनः पर कारखाने के स्वामतः वाली अचल संपत्तयों के मूल्यहरास मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है तथा इसमें वह भूमि शामिल है जसमें लीज-होल्ड भूमि, भवन, संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर तथा सैनटरी वस्तुएँ, परविहन उपकरण, जल प्रणाली एवं सड़क मार्ग शामिल हैं । अन्य अचल संपत्तः जैसे- अस्पताल, स्कूल आदः का उपयोग कारखाने के श्रमकों के लयः कयः जाता है ।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में रोजगारः

- कॉर्पोरेट क्षेत्रः
 - कॉर्पोरेट क्षेत्र में रोजगार, जसमें सार्वजनिक और नजी, सरकारी तथा गैर-सरकारी कंपनयों शामिल हैं, 2019-20 में 5.5% बढ़कर 97.03 लाख हो गया, जबकः वयक्तगत स्वामतः में यह 3.1% घटकर 11.36 लाख हो गया ।
- साझेदारी मेंः
 - साझेदारी के क्षेत्र में रोजगार 2019-20 में **11.7% घटकर 18.58 लाख** हो ग या, जबकः सीमति देयता साझेदारी के लयः यह 42% बढ़कर 1.22 लाख हो गया ।

- **श्रमिकों का रोज़गार:**
 - राज्यों में तमलिनाडु में 2019-20 में श्रमिकों के रोज़गार की सबसे अधिक संख्या थी, इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है।
- **कुल मज़दूरी का भुगतान:**
 - 2019-20 में श्रमिकों को भुगतान की गई कुल मज़दूरी में 6.3% की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में 11.9% की मज़दूरी वृद्धि हुई थी।
 - 2019-20 में कॉर्पोरेट क्षेत्र में कारखाने के श्रमिकों के लिये मज़दूरी में 7.7% की वृद्धि हुई।
 - कामगारों के आँकड़ों में उन सभी **व्यक्तियों को शामिल किया जाता है जो सीधे या किसी भी एजेंसी के माध्यम से नियोजित होते हैं**, यानी वे मज़दूर हों या नहीं लेकिन किसी भी वनिरिमाण प्रक्रिया में लगे हुए हों या वनिरिमाण प्रक्रिया के लिये उपयोग की जाने वाली मशीनरी या परसिर के किसी भी हिस्से की सफाई में लगे हुए हों या वनिरिमाण प्रक्रिया से जुड़े किसी अन्य प्रकार के कार्य में लगे हुए हों।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/annual-survey-of-industries>

